सफल रहा सिंधी युवा लेखन विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद एवं कथासंधी कार्यक्रम

केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं भारतीय सिंधू सभा सांस्कृतिक मंच नागपुर का संयुक्त उपक्रम

जिए सिंध -नागपुर - केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं भारतीय सिंधू सभा सांस्कृतिक मंच नागपुर के संयुक्त तत्वाधान में सिंधी युवा लेखन विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन रविवार दिनांक २२ जनवरी २०२३ को मुक्ति धाम, जरीपटका, नागपुर में किया गया।

सर्वप्रथम अतिथियों ने ज्योति प्रज्वलित कर परिसंवाद का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत नागपुर के वरिष्ठ रंगमंच कलाकार गुरमुख मोटवानी, तुलसी सेतिया एवं लक्ष्मण थावाणी ने किया।

उद्घाटन सत्र कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विनोद आसूदानी ने की। अकादमी के प्रभारी अधिकारी मुंबई के श्री ओमप्रकाश नागर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि साहित्य अकादमी (नेशनल अकेडमी ऑफ लेटर्स) अंग्रेजी समेत हिन्दुस्तान की चौबीस भाषाओं में साहित्य के उत्थन की दिशा में कार्यक्रम करती रहती है। अकादमी साहित्य पेरचर्चा, सेमीनार तथा लेक्चर द्वारा तथा अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक प्रदर्शनी लगवाना तथा साहित्यकारों को पुरस्कृत करने जैसे कार्य कर साहित्य की सेवा करती है।

साहित्य साहित्य अकादमी के सिंधी भाषा सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य किशोर लालवानी ने की नोट एंड्रेस याने आरंभिक वक्तव्य में कहा कि हमारी युवा पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। यह प्रश्न कई विचार संगोष्ठियों में उठाया जाता है लेकिन अभी तक अनुत्तरित है। यह हमारे लिए सचमुच चिंता की बात है। साधना सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष एड्वोकेट विनोद लालवानी ने इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यक्ता पर बल दिया। आभार प्रदर्शन नाट्य निर्देशक तुलसी सेतिया ने किया।उद्घाटन सत्र का सफल संचालन नीलम ठकवानी ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात सिंपोज़िअम के प्रथम सत्र नागपुर के सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेश आसूदानी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें रायपुर, छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध सिंधी कहानीकार कैलाश शादाब ने सिंधी युवा गद्य लेखन विषय पर आलेख प्रस्तुत किया। तत्पश्चात भोपाल की युवा लेखिका समीक्षा लछवानी तथा नागपुर की युवा लेखिका शारदा भागचंदानी ने अपनी लिखी कहानियां पढ़ी जिन पर चर्चा भी की गई।

दोपहर के भोजन के पश्चात द्वितीय सत्र नागपुर के लेखक किशोर लालवानी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें भोपाल के सुप्रसिद्ध कवि व लेखक खिम्मन मूलाणी ने सिंधी युवा पद्य लेखन विषय पर आलेख प्रस्तुत किया। तत्पश्चात इंदौर की युवा लेखिका किरण परियानी अनमोल तथा बिलासपुर की युवा लेखिका मुस्कान बच्चानी अपनी लिखी कविताएं प्रस्तुत की।

परिचर्चा के पश्चात सायं ४.३० बजे कथासंधि कार्यक्रम में रायपुर, छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध सिंधी कहानीकार कैलाश शादाब ने अपनी प्रतिनिधि कथा मौत का कल्ल का पठन किया। कथा सुनने के बाद युवा लेखकों ने कहानीकार कैलाश शादाब से उस कहानी के संदर्भ में कई सवाल पूछे जिसका उन्होंने सहजता से उत्तर दिया।

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद,नई दिल्ली के पूर्व उपाध्यक्ष घनश्याम कुकरेजा का इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु भारतीय सिंधू सभा युवा मंच के अध्यक्ष जगदीश बंजानी, जयकिशन विद्यानी, लक्ष्मण थावानी, राजेश स्वामनानी, चंदू गोपानी, परमानंद कुकरेजा तथा गिरधारी गुरनानी ने अथक प्रयास किया।